रविवार, 21 जुलाई 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक
सिटी न्यूज
सच का जोश
मुंबई

वर्ष 13 • अंकः 313 CITY NEWS MUMBAI

अजित पवार आए और शरद पवार खड़े रहे...पार्टी टूटने के बाद पहली बार चाचा-भतीजा आमने-सामने

मुंबई. एक तरफ जहां सितंबर में विधानसभा चुनाव होंगे. वहीं, चाचा-भतीजा एक बैठक में आमने-सामने बैठने वाले हैं. भले ही महाविकास अघाड़ी पूर्ण बहुमत की सरकार में थी, लेकिन भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को विभाजित कर दिया और शरद पवार को पटखनी दे दी. इसके बाद राष्ट्रवादी पार्टी को भी विधानसभा में बहुमत होने पर शेष पृष्ठ 7 पर

बॉम्बे हाई कोर्ट से महाराष्ट्र सरकार को झटका

शिक्षा के अधिकार अधिनियम में संशोधन असंवैधानिक करार

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 19 जुलाई को महाराष्ट्र सरकार के उस परिपत्र को रद्द कर दिया, जिसमें सरकारी स्कूलों के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को 25 फीसदी शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कोटे के तहत छात्रों को प्रवेश देने से छूट दी गई थी. कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम में महाराष्ट्र सरकार के संशोधन को असंवैधानिक करार दिया है.

क्या शिक्षा का अधिकार अधिनियम?

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) जो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े, वंचित वर्गों के छात्रों को निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटें प्रदान करता है. मुंबई नगर निगम के नगर शिक्षा विभाग के तहत आरटीई मंजूरी के बिना चल रहे 218 निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में से कुल 192 स्कूलों को आरटीई मंजूरी दी गई थी. हालांकि, राज्य सरकार की ओर से जारी अध्यादेश के कारण यह उद्देश्य विफल हो गया. इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की मांग की गई.हाई कोर्ट ने निजी, गैर सहायता प्राप्त शेष पृष्ठ 7 पर

अडानी के बहाने धारावी के टीडीआर पर
उद्धव ठाकरे ने सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

मुंबई. "सरकार झूठी घोषणाओं की बारिश कर रही है. उम्मीद है कि लोग प्रशासन द्वारा अब तक किये गये कार्यों को भूल जायेंगे और फर्जी योजनाओं का शिकार हो जायेंगे. बाकी योजनाओं के बारे में मैं आज बात नहीं करूंगा. लोग उसके बारे में बात कर रहे हैं, अनुभव कर रहे हैं. मैं, आदित्य, जब भी मेरा मन होगा, अपनी आवाज उठाऊंगा. आज मैं लडका मित्र, लडका ठेकेदार, लडका उद्योगपति योजना के बारे में बात करने जा रहा हूंरउद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) ने कहा. धारावी पुनर्वास परियोजना (Dharavi Rehabilitation Project) को लेकर उद्धव ठाकरे ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं. "धारावीकरों को जहां वे हैं, वहीं 500 वर्ग फुट का घर मिलना चाहिए. यह शिवसेना की जिद हैरउद्धव ठाकरे ने कहा. "धारावी कोई झुग्गी बस्ती नहीं है. वहाँ एक और औद्योगिक झुग्गी है. घर-घर में सूक्ष्म उद्योग चल रहे हैं.

उनमें से कुछ कुम्हार, इडली बनाने वाले, चमड़े का काम करने वाले हैं, वहाँ कई चीजें हैं, कल क्या करेंगे?

"हम अनगिनत टीडीआर वापस लेने और उन्हें अडानी को देने की योजना को विफल कर देंगे. हम इसे कभी सफल नहीं होने देंगे. मुंबईकरों को अडानी से टीडीआर खरीदना चाहिए, हमने इसके खिलाफ जुर्माना भी लगाया हैः उद्धव ठाकरे रहम दिखा रहे हैं कि कैसे उनके ठेकेदार मित्र फर्जी योजना के पीछे बेहतर काम करने की कोशिश कर रहे हैं। मोदी-शाह की योजना मुंबई को अडानी सिटी बनाने की है. लेकिन हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे. जब कोई मराठी आदमी मुंबई में इकट्ठा होता है तो ऐसी ही चीजें करता है और मुंबई को बचाता है. 'योग्य-अयोग्य को फंसाकर धाराविकरों को बाहर करने की साजिश'उद्धव ठाकरे ने कहा, "हम मुंबई को कभी लूटने नहीं देंगे, मुंबई का खजाना खाली नहीं होने देंगे, मुंबई को भीख शेष पृष्ठ 7 पर

भारी बारिश के कारण लोकल सेवाएं बाधित; सेंट्रल और हार्बर समेत वेस्टर्न रेलवे भी लेट!

मुंबई समेत अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश (heavy rains) के कारण कुछ जगहों पर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। ऐसा देखा जा रहा है कि स्थानीय सेवा जो कि जीवन रेखा है, बाधित हो जाने से नौकरों की हालत (condition of servants) खराब हो रही है। मुंबई और अन्य इलाकों में हो रही भारी बारिश का असर अब रेल यातायात (rail traffic) पर भी पड़ा है। इसमें सेंट्रल रेलवे (Central Railway) का ट्रैफिक देरी से चलने की बात सामने आ रही है और कल्याण डोंबिवली (Kalyan Dombivali) में जनजीवन अस्त-व्यस्त होने की बात सामने आ रही है। मुंबई और उपनगरों में बारिश के कारण मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे (Central Railway and Western Railway) 5 से 10 मिनट की देरी से चल रही हैं। इसलिए, हार्बर रेलवे (Harbor Railway) 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही है। शेष पृष्ठ 7 पर

एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने जारी किया आरोपपत्र, कहा- लोग सबक सिखाएंगे

मुंबईः कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने शनिवार को एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ अपना 'आरोपपत्र' जारी किया। कांग्रेस ने कहा कि लोग आगामी विधानसभा चुनाव में 'भ्रष्टाचार के जरिए बनी' इस सरकार को सबक सिखाएंगे। इस अवसर पर कांग्रेस विधायक दल के नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि वर्तमान सरकार में मुंबई और राज्य के बाकी हिस्सों में अपराध और नशीली दवाओं की तस्करी बढ़ गई है और भ्रष्टाचार सभी क्षेत्रों में फैल रहा है। सरकार को कीमत चुकानी पड़ेगी थोराट ने कहा कि मॉनसून की पहली

बारिश में मुंबई की हालत बहुत खराब हो गई है। सीवर लाइनों और नालों की सफाई में भ्रष्टाचार है। विधायकों को खरीदा जाता है। भ्रष्टाचार के जरिए बनी यह सरकार बहुत भ्रष्ट है। विधानसभा चुनाव में सरकार को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी, शेष पृष्ठ 7 पर

सनातन धर्म रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य चक्रे श जी ने कहा सनातनी समाज को गुमराह न करें

सिटी न्यूज़ मुंबई आलोक तिवारी आज के परिवेश में बहुत से लोग धार्मिक कथाएं सुना कर कह रहे हैं की समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए कार्य कर रहे हैं परंतु यह अध्यात्म के नाम पर बेवकूफ बनाकर अपनी दुकान खोल रहे हैं आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए तथाकथित लोग अपना संप्रदाय एवं पंथ बनाकर समाज को संस्कृति एवं संस्कार से बहुत दूर ले जा रहे हैं जिसका प्रभाव यह पड़ रहा है कि आज अपना सनातनी हिंदू समाज पूर्णतया संस्कार विहीन होकर अपनी सभ्यता को अपने जाति के रीति-रिवाज एवं अपनी धर्म को बिल्कुल भूल जा रहा है जिससे परिवार में विघटन हो रहा है तथाकथित अपनी दुकान खोलने के लिए समाज में कभी स्वयं को नारायण कह कर तो कभी राम कथा का प्रसंग सुन कर कभी-कभी भागवत कथा का प्रसंग सुना कर गीता के कुछ श्लोक याद कर समाज को उपदेश देने लगते हैं वेद पुराण का मजाक बनाकर समाज में पेश कर रहे हैं इन लोगों से प्रभावित समाज बहुत शीघ्र हो जाता है क्योंकि जिन्हें दुकान चलाने होती है वह बहुत अच्छे ढंग से बेवकूफ बनाने के लिए उसको पेश कर रहे हैं परंतु संत समाज इन तथाकथित लोगों पर कब तक मौन रहेगा और क्यों मौन है सनातन धर्म को जो गर्त में ले जा रहे हैं मेरा सभी सनातन धर्मावलंबियों से अनुरोध है कि अपने सनातन को बचाने के लिए जो आडंबरी है और सनातन धर्म का मजाक उड़ा रहे हैं समाज को संस्कृति एवं एवं संस्कार विहीन कर रहे हैं उनको कैसे रोका जाए इस पर विचार करें क्योंकि जब सनातनी ही समाप्त हो जाएंगे तो रामचरितमानस गीता वेद पुराण उपनिषद श्रीमद् भागवत कथा एक कहानी की किताब बनकर रह जाएगी और कुछ नहीं आपका अपना अनुज शिष्य आग्रह करना चाहता है कि संत समाज महापुरुष गरूजन सनातन धर्म के अनुयाई है सभी को आगे आकर लालची स्वार्थी लोगों से सनातनी समाज को संस्कार विहीन होने से बचाया जाए जय श्री राम।

मुड़िया पूर्णि मा मेला2024: मथुरा में आस्था का सैलाब

सिटी न्यूज़ मुंबई आलोक तिवारी जनपद के गोवर्धन में राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला अपने पूरे चरम पर पहुंच गया है। शुक्रवार को मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची। आस्था का रेला मोक्ष और पुण्य की कामना के लिए उमड़ता रहा। गिरिराज महाराज की परिक्रमा के साथ-साथ श्रद्धालुओं ने गिरिराज जी पर दूध चढ़ाया तो मानसी गंगा में लगे फव्वारों के नीचे स्नान व आचमन कर धार्मिक परंपरा का निर्वाह किया। कभी तेज धूप, कभी उमस तो कभी हल्की बारिश की बौछार भी हुई, लेकिन श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।दानघाटी मंदिर, मुकुट मुखारबिंद, मानसी गंगा सहित अन्य आस्था स्थलों पर अपने आराध्य के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों को शाम के बाद पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही थी। उधर, मुड़िया संतों ने मुंडन भी कराया। शोभायात्रा की तैयारी में भी जुट गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी नियंत्रण कक्ष से और परिक्रमा मार्ग पर जाकर जायजा लेते रहे।मेले के तीसरे दिन श्रद्धालुओं के जत्थे पहुंचते रहे और राधे-राधे करते हुए परिक्रमा मार्ग पर बढ़े जा रहे थे। रात होने तक भीड़ और बढ़ गई और परिक्रमा मार्ग पर मानव श्रृंखला नजर आने लगी। इससे पूर्व बृहस्पतिवार रात को भी यही सिलसिला रहा। परिक्रमा मार्ग पर मानव श्रृंखला बन गई। इसके बाद भक्त मंदिरों में मंगला आरती दर्शन के लिए उमड़ पड़े। इससे पहले दिन में आस्था के मिनी कुंभ के नाम विख्यात मुड़िया मेले में भक्ति और प्रकृति के अनूठें नजारे दिखाई दिए। सात जन्मों के बंधन से मुक्ति और मन में तमाम मनोकामना संजोए श्रद्धालु गिरिराज महाराज की शरण में पहुंचे।परिक्रमार्थियों में देश के हर प्रांत से विविध भाषा और वेशभूषा के श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सभी के राज्य, भाषा, खान पान, वेशभूषा बेशक अलग है। मगर, गोवर्धन महाराज की शरण में पहुंचने पर आस्था का रंग एक जैसा ही सब पर चढ़ा है। इन्हें देखकर गोवर्धन लघु भारत नजर आ रहा है। हर कोई अपना मत्था गिरिराज जी की तलहटी में टेकता है। तलहटी में रहने वाले संतों में सनातन संस्कृति की अमिट छाप है, जो कि प्राचीन काल से ही चली आ रही परंपरा को निभाते हैं। तलहटी में आने वाले भक्तों ने महाराज के दर्शन व परिक्रमा को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। राजस्थान के सभी जिलों से भक्त परिक्रमा करने पहुंचे हैं। गुजरात, महाराष्ट्र से आने वाले भक्त अपना पूजन जतीपुरा मुखारविंद मंदिर पर करते हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा पंजाब से लाखों श्रद्धालु आए हैं। तलहटी में पेड़-पौधों की हरियाली, पीले-भूरे रंग की रज और शिलाओं के रूप में विराजमान गिरिराज पर्वत प्राकृतिक सुंदरता का अनूठा उदाहरण है।

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के काफिले की तीन गाड़ियां टकराईं, सड़क पर गड्ढे के कारण हुआ हादसा

पीलीभीत से सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के काफिले की तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसा शनिवार को उस वक्त हुआ, जब केंद्रीय राज्यमंत्री का काफिला मझोला जा रहा था। इसी दौरान एस्कॉर्ट ने गड्ढा आने पर अचानक ब्रेक लगाया, जिससे पीछे चल रही तीन गाड़ियां टकरा गईं। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं लगी। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद शनिवार को संसदीय क्षेत्र पहुंचे। शहर में प्रेसवार्ता के बाद वह मझोला इलाके में बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए जा रहे थे। बिरहनी जाने वाले मार्ग पर जितिन प्रसाद के काफिले में चल रही एस्कॉर्ट ने गड्ढा आने की वजह से अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे पीछे चल रहीं तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। दूसरी गाड़ी से रवाना हुए जितिन
हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी है, लेकिन तीनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री दूसरी गाड़ी से रवाना हुए।

'अंधविश्वास होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती', संघ प्रमुख ने बताई अंग्रेजों की साजिश

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को दावा किया कि 1857 के बाद अंग्रेजों ने व्यवस्थित तरीके से देशवासियों में अपनी परंपराओं और पूर्वजों के प्रति आस्था को कम करने की साजिश रची। भागवत ने कहा कि अंधविश्वास तो होता है, लेकिन आस्था कभी अंधी नहीं होती। उन्होंने कहा कि कुछ प्रथाएं और रीति-रिवाज जो चले आ रहे हैं, वे विश्वास हैं। कुछ गलत हो सकते हैं तो उन्हें बदलने की जरूरत है।

परंपराओं के प्रति आस्था को खत्म करने की कोशिश की गई'

जी बी देगलुरकर की एक किताब के विमोचन के अवसर पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, '1857 (जब ब्रिटिश राज ने औपचारिक रूप से भारत पर शासन करना शुरू किया) के बाद अंग्रेजों ने हमारे मन से आस्था को खत्म करने के लिए व्यवस्थित प्रयास किए। हमारी परंपराओं और अपने पूर्वजों में जो आस्था थी, वह खत्म हो गई।' उन्होंने कहा कि 'भारत में मूर्ति पूजा होती है जो आकार से परे निराकार से जुड़ी है। हर किसी के लिए निराकार तक पहुंचना संभव नहीं है, इसलिए हर किसी को कदम दर कदम आगे बढ़ना होगा। इसलिए मूर्तियों के रूप में एक आकार बनाया जाता है।'

संघ प्रमुख ने बताया मूर्तियों के पीछे का विज्ञान

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि 'मूर्तियों के पीछे एक विज्ञान है, भारत में मूर्तियों के चेहरे पर भावनाएँ भरी होती हैं जो दुनिया में हर जगह नहीं मिलती हैं। राक्षसों की मूर्तियों में दर्शाया गया है कि वे किसी भी चीज़ को अपनी मुट्ठी में कसकर पकड़ लेते हैं। राक्षसों की प्रवृत्ति हर चीज़ को अपने हाथ में रखने की होती है। हम अपनी मुट्ठी में (अपने नियंत्रण में) लोगों की रक्षा करेंगे। इसलिए वे राक्षस हैं। लेकिन भगवान की मूर्तियाँ कमल को थामे हुए धनुष को भी थामे रहती हैं। उन्होंने कहा कि साकार से निराकार की ओर जाने के लिए एक दृष्टि होनी चाहिए। जो लोग आस्था रखते हैं, उनके पास दृष्टि होगी।'

पूजा खेडकर की मां के घर से पिस्टल और कारतूस जब्त, पिता को कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

विवादों में घिरीं प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने पूजा खेडकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। अब पुणे की ग्रामीण पुलिस ने भी शुक्रवार को पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के पुणे स्थित आवास से लाइसेंसी पिस्टल, कारतूस और एक लग्जरी कार जब्त की है। ट्रेनी (प्रशिक्षु) आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ किसानों को धमकाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में मनोरमा खेडकर का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह हाथ में पिस्टल लेकर किसानों को धमकाते हुए नजर आई थी। पुलिस ने हाल ही में मनोरमा खेडकर को रायगढ़ के एक लॉज से गिरफ्तार किया था, जहां वह नाम बदलकर छिपी हुई थी। साथ ही पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ भी एंटी करप्शन ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की जांच शुरू की है। हालांकि पुणे की एक अदालतने किसानों को कथित तौर पर धमकाने के मामले में पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को 25 जुलाई तक अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि अदालत ने दिलीप खेडकर को सशर्त जमानत दी है, जिसके तहत वह किसी मुखबिर या गवाह से संपर्क नहीं करेंगे और जांच को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। आवेदक को जांच एजेंसी का सहयोग करना होगा।

21 जुलाई यौमे-ए-वफात पर विशेष

मौलाना सैय्यद मोहम्मद मियां बिजनौरी उर्फ राशिद मियां (र.अ.)

मौलाना सैय्यद मोहम्मद मियां उर्फ राशिद मियां (र.अ.)सन् 1856 में इलाहाबाद में पैदा हुए। आपके वालिद का नाम मौलाना जाहिद मिया (र.अ.)था, जो दाराशाह अजमल दरगाह के सज्जादानशीन थे। आपने दीनी और दुनियावी तालीम मुकामी मदरसों और स्कूलों में हासिल की, उसके बाद दरगाह में आनेवाले जायरीनों को मुल्क की आज़ादी के बारे में तबलीग करने लगे। कुछ दिनों बाद आप दिल्ली चले गये जहां सन् 1912 से 1919 तक जंगे-आज़ादी के लिए होनेवाले हर जद्दोजहद में आगे-आगे रहते थे। आपकी तकरीर से अंग्रेज़ अफसरों को बहुत शिकायत थी। आप जहां तकरीर करते, वहां मौजूद लोग जोश में आकर अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ नारेबाज़ी करने लगते। जलियांवाला बाग़ की

वारदात ने आपको बहुत असरंदाज़ किया। इस हादसे के बाद आप मुल्क-भर में घूमकर जोशीली तकरीरों से मुसलमानों को अंग्रेज़ों से जंग के लिए जोश भरने का काम करते थे ।आपकी तकरीर के चलते आपको 18 मई सन् 1920 को दफ़ा 108 के तहत गिरफ़्तार कर लिया गया और एक साल कैद बा-मशक्कत की सज़ा देकर इलाहाबाद की जेल में कैद कर दिया गया। दौराने-कैद आप पर ब्रिटिश हुकूमत के ख़िलाफ़ साजिश, गद्दारी और इन्कलाबियों को असलहा सप्लाई करने का भी इल्ज़ाम लगाया गया और सजा बढ़ा दी गयी। साथ ही डण्डा बेड़ी भी डाल दी गयी। इलाहाबाद की जेल से आपको गोरखपुर की जेल में भेज दिया गया। मुसलसल पैरों में वज़नदार बेड़ी की वजह से आपके पैर में ज़ख्म हो गया, जिसका इलाज न होने से आप पैर से आहिस्ता-आहिस्ता माजूर होने लगे। अंग्रेज़ अफ्सरों ने अपील के बाद भी मशक्कत की आपकी सज़ा भी नहीं कम की और न तो बेड़ियां ही खोली, सो आप चलने फिरने से भी माजूर हो गये। सेहत खराब होती देख आपको सन् 1921 में गोरखपुर की जेल से वापस इलाहाबाद की जेल में भेज दिया गया और सेहत की वजह से रिहा कर दिया गया। छूटने के बाद भी आप घर में बैठे-बैठे ही इंकलाबियों को मदद करते रहे और पूरी उम्र जद्दोजहदे आज़ादी में गुज़ार दी। ख़राब सेहत की वजह से 21 जुलाई सन् 1930 को आप इन्तकाल कर गये आपकी कब्र दाराशाह अजमल में आपके वालिद के बराबर में बनायी गयी।नोट-इनकी तस्वीर नहीं मिला पाई है। संदर्भ-लहू बोलता भी हैलेखक-सैय्यद शाहनवाज़ अहमद कादरी,कृष्ण कल्कि पृष्ठ संख्या 309,310संकलन हसरत अलीशेरपुर जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)फोन नंबर 8580533689

HC की एकल पीठ के आदेश को चुनौती, दो जजों की बेंच में CM ममता की अपील

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष अपील दायर करके एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें उन्हें और तीन अन्य को राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ कोई मानहानिकारक या गलत बयान देने से रोक दिया गया था। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने राज्यपाल द्वारा दायर मानहानि वाद पर मंगलवार को यह अंतरिम आदेश पारित किया था।

तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण से जुड़े विवाद पर बोलते हुए बनर्जी ने कुछ टिप्पणियां की थीं, जिसके खिलाफ बोस ने वाद दायर किया है। बनर्जी ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी, जो 14 अगस्त तक के लिए है। अदालत ने अपने आदेश में बनर्जी के अलावा तीन अन्य लोगों- नवनिर्वाचित विधायक सायंतिका बनर्जी और रेयात हुसैन सरकार तथा तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष को भी बोस के खिलाफ कोई भी अपमानजनक या गलत बयान देने से रोक दिया है। अब इसे एक खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

राजभवन के एक सूत्र के अनुसार, राज्यपाल ने बनर्जी पर इस मामले में 'अत्यधिक फीस लेने वाले वकीलों को नियुक्त करके जनता का पैसा बर्बाद करने' का आरोप लगाया। सूत्र ने बताया कि 'सरकार के भ्रष्टाचार' के खिलाफ बोस अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

नेवी का अके ला अफसर जिसने कारगिल जंग में लिया था हिस्सा, दुश्मन के इलाके में उड़ाया था चीता

आज से 25 पहले हुए कारगिल युद्ध में भारतीय थल सेना और भारतीय वायुसेना ने अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन कम ही लोगों को इस बात की जानकारी है कि इस युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना ने भी हिस्सा लिया था। भारतीय नौसेना ने उस दौरान ऑपरेशन तलवार चलाया था और पाकिस्तान को अरब सागर से बाहर धकेल दिया था। हालांकि उस युद्ध में नौसेना कारगिल में लड़ने तो नहीं गई थी, लेकिन उसका एक जांबाज अफसर ने न केवल 26400 फीट ऊंचाई तक हेलीकॉप्टर उड़ाया, बल्कि तत्कालीन थल सेना अध्यक्ष जनरल वीपी मलिक ने उन्हें साहस की प्रशंसा भी की थी और उन्हें सम्मानित भी किया था।

एक्टिव हो गई थी पाकिस्तानी नौसेना

सैन्य शक्ति के तीन सिद्धांत हैं, भूमि, समुद्र और वायु। इनमें से वायु सेना सबसे तेजी से अभियान शुरू कर सकती है, जबकि इसमें नौसेना दूसरे स्थान पर आती है। लेकिन नेवी

के मिशन हमेशा चलते रहते हैं, जिसकी वजह से कुछ नेवी शिप्स को हमेशा समुद्र में रहना पड़ता है। कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तानी नौसेना भी एक्टिव हो गई थी और अरब सागर में उसकी गतिविधियां बढ़ रही थीं। जैसे-जैसे कारगिल में ऑपरेशन की गति बढ़ी, वैसे-वैसे समुद्र में नौसेना की गतिविधियां भी बढ़ीं। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में आक्रामक गश्त की। एक समय पर 30 से ज्यादा भारतीय नौसेना के जहाज कराची बंदरगाह के बाहर सिर्फ 13 समुद्री मील (24 किलोमीटर) की दूरी पर मौजूद थे, यानी पाकिस्तान के जल क्षेत्र से मजह 2 किमी से भी कम दूरी पर भारतीय नौसेना मौजूद थी।

युद्धपोतों को अरब सागर में भेजा

जब राष्ट्र, मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान कारगिल पर था, तब नौसेना अपने काम में लगी थी। नौसेना ने सबसे पहले अपनी सालाना एक्सरसाइज को पूर्वी समुद्र तट से पश्चिमी समुद्र तट पर ट्रांसफर किया था। इसके लिए उसके पूर्वी बेड़े में तैनात युद्धपोतों को अरब सागर में भेजा गया, जिसके बाद ऑपरेशन तलवार की शुरुआत हुई। भारतीय नौसेना ऑपरेशन तलवार के तहत पाकिस्तान को अरब देशों से मिलने वाली रसद को रोकने के लिए अरब सागर में सभी सप्लाई लाइन्स को बंद कर रही थी। उस समय तत्कालीन लेफ्टिनेंट कमांडर और वर्तमान में कैप्टन उत्पल दत्ता एकमात्र नौसेना अधिकारी थे, जिन्होंने ऑपरेशन विजय में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

चेतक और चीता हेलीकॉप्टर उड़ाया

भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर पायलट कैप्टन उत्पल दत्ता, फिलहाल गोवा स्थित नौसेना विमानन मुख्यालय में तैनात हैं। उन्होंने 4 जून से 22 जुलाई, 1999 के बीच ऑपरेशन विजय के अपने 77 घंटों के दौरान युद्ध में घायल हुए लोगों को घुमरी में बने एक अस्थाई अस्पताल तक पहुंचाने में मदद की थी और सैन्य सहायता जैसे रसद और गोला-बारूद सप्लाई करने में अहम भूमिका निभाई थी। यह कैप्टन दत्ता की पहली जंग थी। कैप्टन दत्ता ने उस दौरान चेतक और चीता हेलीकॉप्टर उड़ाया था। तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वेद प्रकाश मलिक के साथ भी उन्होंने द्रास क्षेत्र में एक टोही उड़ान भी भरी थी।

सीएम सुक्खू बोले- 6,000 अनाथ बच्चों को कानूनी अधिकार देने वाला हिमाचल पहला राज्य

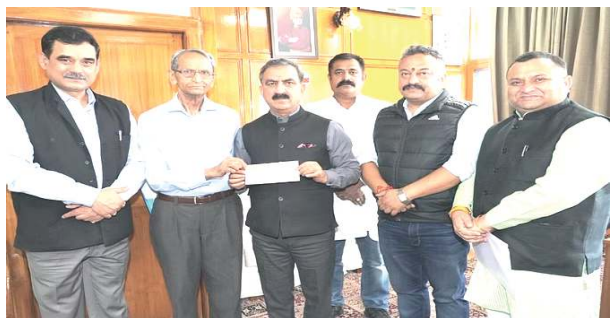

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने प्रदेश के 6,000 से अधिक अनाथ बच्चों को कानूनी अधिकार प्रदान करते हुए उन्हें 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया है। प्रदेश सरकार ने बेसहारा बच्चों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की जिम्मेदारी उठाई है। सरकार की ओर से इन बच्चों के शैक्षणिक व्यय के साथ-साथ जेब खर्च के रूप में 4,000 रुपये प्रति माह प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त भूमिहीन बेसहारा बच्चों को घर बनाने के लिए तीन बिस्वा भूमि, गृह निर्माण के लिए 3 लाख रुपये, स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए 2 लाख रुपये तथा विवाह के खर्च के लिए 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

शनिवार को शिमला में वेद विहार पब्लिक स्कूल एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष केएस श्रीकोट ने मुख्यमंत्री सुख आश्रय कोष के लिए 1,54,08,657 रुपये का चेक भेंट किया। इस धनराशि के अलावा सोसायटी ने 110 बैंच, 16 लकड़ी के बक्से, 84 कुर्सियां, तीन संगीत वाद्य यंत्र और विभिन्न प्रकार की ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी प्रदान कीं। इस उदार योगदान के लिए मुख्यमंत्री ने सोसायटी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे समाज के संपन्न वर्गों को वंचित एवं जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए आगे आने के लिए प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के उपाध्यक्ष विनय कुमार, मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी तथा कांग्रेस नेता सतपाल रायजादा भी उपस्थित थे। एचआरटीसी प्रबंधन ने नादौन को नए बस डिपो का तोहफा दिया है।

सम्पादकीय

पहचान का प्रश्न

कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों को अपनी पहचान सार्वजनिक करने के आदेश को उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के हरिद्वार तक बढ़ा दिया गया है। इस कदम से व्यापक विरोध और चिंताएं पैदा हुई हैं, जिसमें NDA के सहयोगी भी शामिल हैं।

जिसे उत्तर प्रदेश के एक जिला प्रशासन का स्थानीय स्तर पर लिया गया फैसला माना जा रहा था, वह तेज होते विरोध के बीच न केवल पूरे राज्य में बल्कि पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के हरिद्वार में भी लागू कर दिया गया। इस आदेश के मुताबिक, कांवड़ यात्रा के पूरे रूट पर दुकान लगाने वाले तमाम लोगों के लिए अपनी पहचान सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा।

आदेश पर असमंजसः इस आदेश को लेकर किस तरह का असमंजस फैला है, इसका अंदाजा BJP के ही एक प्रमुख नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी की प्रतिक्रिया से मिलता है। शुरू में इस आदेश के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए उन्होंने कहा, 'कुछ अति उत्साही अधिकारियों के आदेश... छुआछूत की बीमारी को बढ़ावा दे सकते हैं।'

विरोध का उलटा असरः विरोध करने वालों में नकवी अकेले नहीं थे। विपक्षी दलों के अलावा NDA के सहयोगी दलों के नेताओं की ओर से भी इसके विरोध की आवाज उठी थी। माना जा रहा था कि विरोध के बाद जिला स्तर पर हुए इस फैसले को वापस ले लिया जाएगा। लेकिन कुछ घंटों के अंदर पूरे राज्य में इस आदेश को लागू करने का निर्णय घोषित हो गया। इसके बाद नकवी भी अपना रुख पलटते दिखे। उनका कहना था कि शुरू में उस फैसले ने कुछ कन्फ्यूजन फैलाया था, लेकिन अब सरकार ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। इस फैसले का विरोध करने की अब कोई वजह नहीं है।

आर्थिक बहिष्कार का खतराः विभिन्न राजनीतिक दलों के अंदर चाहे जैसा भी विचार मंथन हो रहा हो, यह आदेश आबादी के एक बड़े हिस्से में भ्रम और आशंका पैदा कर सकता है। एक समुदाय विशेष के मन में यह भाव गहरा हो सकता है कि सरकार धंधा-पानी करने के उसके अधिकार पर कुठाराघात करना चाहती है। चाहे जितने भी मासूम अंदाज में पेश किया जाए, पहचान बताने के इस आदेश का असर खास समुदाय के आर्थिक बहिष्कार के ही रूप में सामने आएगा। यह आशंका भी निराधार नहीं कि अलग पहचान वाले दुकानदारों पर कुछ असामाजिक और सांप्रदायिक तत्व कांवड़ियों के वेश में हमला कर दें, उनकी दुकानें लूटने लग जाएं।

शुचिता का तर्क गलतः कांवड़ियों की शुचिता के तर्क के पीछे यह गलत मान्यता काम कर रही है कि किसी अन्य समुदाय के हाथ का छुआ खाने से किसी श्रद्धालु का धर्म भ्रष्ट हो सकता है। कानून व्यवस्था का तर्क भी उचित नहीं क्योंकि इससे पहले इस आदेश के बगैर भी कांवड़ यात्रा सुरक्षित माहौल में होती रही है। संक्षेप में, ऐसे आदेश हमारे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हैं। इन्हें वापस लेने में देर करना ठीक नहीं।

आयोग में कुलपति, गुजरात PSC चेयरमैन, आर्मी अफसर एवं IAS-IPS के होते किसने दिया 'फुलप्रूफ' सिस्टम को धोखा

पिछले कुछ दिनों से संघ लोक सेवा आयोग 'यूपीएससी' लगातार चर्चा में है। एक तरफ सोशल मीडिया में 'फर्जी सर्टिफिकेट' के जरिए आईएएस की नौकरी लेना, ऐसे मामले देखने को मिल रहे हैं, तो दूसरी तरफ, यह खबर सामने आई है कि यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. मनोज सोनी ने कई दिन पहले अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। अभी तक उनका त्यागपत्र स्वीकृत हुआ है या नहीं, इसकी कोई पुख्ता सूचना नहीं है। हालांकि आयोग की वेबसाइट पर दो जुलाई की अपडेट के मुताबिक डॉ. मनोज सोनी, बतौर अध्यक्ष, दिखाई पड़ रहे हैं। आयोग में देश के सबसे युवा कुलपति होने का गौरव प्राप्त करने वाले, राज्य लोक सेवा आयोग में सबसे युवा अध्यक्ष रहे, सैन्य पर्सन एवं पूर्व IAS/IPS, शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने शनिवार को एक्स पर लिखा, योग्य व्यक्तियों द्वारा फर्जी जाति और चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने के कई मामलों से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने यूपीएससी की 'फुलप्रूफ' प्रणाली को धोखा दिया है। इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

यूपीएससी में फर्जी सर्टिफिकेट का पहला मामला आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर का आया था। कई दिनों तक सोशल मीडिया में उनके सर्टिफिकेट को लेकर कई तरह की बातें कहीं जा रही थीं। उनके मामले की जांच के लिए एक सदस्यीय कमेटी बनाई गई। अब उनकी ट्रेनिंग रोक दी गई है। आयोग ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस में पूजा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करा दिया है। इस दौरान सोशल मीडिया में दर्जनों आईएएस/आईपीएस व यूपीएससी के तहत अन्य सेवाओं में भर्ती हुए लोगों के सर्टिफिकेट को लेकर कई तरह के खुलासे होने लगे। कई अफसरों ने तो अपना सोशल मीडिया अकाउंट ही बंद कर दिया। कुछ अधिकारियों ने अकाउंट को प्राइवेट कर दिया। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, 2014 के बाद से सभी संवैधानिक निकायों की पवित्रता, प्रतिष्ठा, स्वायत्तता और प्रोफेशनलिज्म को बुरी तरह से डैमेज किया गया है, लेकिन समय-समय पर स्वयंभू नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को भी कहने के लिए मजबूर होना पड़ता है कि 'अब बहुत हो गया'।

यूपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों का प्रोफाइल

डॉ. मनोज सोनी, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग 'यूपीएससी' के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है, उन्हें 28 जून 2017 को आयोग का बतौर सदस्य नियुक्त किया गया था। वे 15 मई 2023 तक आयोग के सदस्य रहे थे। उसके बाद वे आयोग के अध्यक्ष बने। उनका कार्यकाल 15 मई 2029 तक था। मनोज सोनी ने तीन बार कुलपति के रूप में कार्य किया है। वे डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक अगस्त 2009 से लेकर 31 जुलाई 2015 तक कार्य करते रहे हैं। इसके बाद उन्हें महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा का कुलपति बनाया गया। ये पदभार ग्रहण करने वाले डॉ. सोनी, भारत के अभी तक सबसे युवा कुलपति थे।

लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला, यूपीएससी के सदस्य हैं। इनकी सेवानिवृत्ति 26 मार्च 2027 को है। इन्हें भारतीय सेना में चार दशक तक कार्य करने का अनुभव हासिल है। राज शुक्ला ने आतंकवाद रोधी अभियान के इन्फैंट्री ब्रिगेड, कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा के साथ लगे बारामूला डिवीजन और देश की पश्चिमी सीमाओं से लगे एक प्रधान सैन्यदल की कमान संभाली है। वे डिफेंस सर्विसेज स्टॉफ कालेज वेलिंगटन, कालेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट सिकंदराबाद और नेशनल डिफेंस कालेज नई दिल्ली के छात्र रहे हैं। उन्हें पीवीएसएम, वाईएसएम और एसएम का सम्मान मिला है।

प्रीति सूदन भी आयोग की सदस्य हैं। वे आंध्रप्रदेश कैडर के 1983 बैच की आईएएस अधिकारी रही हैं। जुलाई 2020 में वे स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव पद से रिटायर हुई थीं। उन्हें कार्य पालिका के प्रायः सभी क्षेत्रों में लगभग 37 साल की सेवा करने का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने केंद्र में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय में भी सेवाएं दी हैं। उन्हें 29 नवंबर 2022 को आयोग का सदस्य बनाया गया था। वे 29 अप्रैल 2025 तक यूपीएससी के सदस्य के तौर पर काम करेंगी।

सुमन शर्मा को 25 मई 2023 में आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया था। उन्होंने मेरठ विश्वविद्यालय से कार्बनिक रसायन विज्ञान में पीजी की है। यूके से एमबीए की है। वे भारतीय राजस्व सेवा 1990 बैच की अधिकारी के तौर पर 30 से अधिक वर्ष तक आयकर विभाग और सीबीडीटी में कई महत्वपूर्ण पदों पर रही हैं। सुमन शर्मा, अंतरराष्ट्रीय कराधान और ट्रांसफर प्राइसिंग विषयों से जुड़ी रही हैं। वे 24 मई 2029 तक 'यूपीएससी' में बतौर सदस्य के तौर पर काम करेंगी।

विद्युत बी. स्वैन भी आयोग के सदस्य हैं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के गुजरात कैडर के 1988 बैच के अधिकारी हैं। स्वैन ने 1989 और 2018 के बीच गुजरात में जिला एवं राज्य स्तर पर कई पदभार संभाले हैं। वे भारत सरकार के वाणिज्य विभाग में अपर सचिव रहे हैं। उन्होंने विशेष आर्थिक क्षेत्र, सीआईएस देशों के साथ भारत की व्यापार वार्ता और निर्यात बीमा के कार्य में योगदान दिया है। जनवरी 2021 में उनकी तैनाती, भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में सचिव के तौर पर हुई थी। यहां पर उन्होंने मई 2023 तक कार्य किया है। वे चार सितंबर 2028 तक यूपीएससी के सदस्य के तौर पर काम करते रहेंगे।

डॉ. दिनेश दासा, यूपीएससी के सदस्य हैं। उन्होंने गुजरात कृषि विश्वविद्यालय नवसार से कृषि वानिकी में पीएचडी की है। संघ लोक सेवा आयोग में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व डॉ. दासा ने गुजरात लोक सेवा आयोग, दस माह तक बतौर सदस्य के रूप में कार्य किया था। उसके बाद उन्हें गुजरात लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष बना दिया गया। वे 31 जनवरी 2022 तक इस पद पर रहे। 41 वर्ष की आयु में डॉ. दिनेश दासा, भारत के किसी राज्य लोक सेवा आयोग के अब तक के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष थे। गुजरात लोक सेवा आयोग से अपनी संबद्धता के दौरान, डॉ. दासा ने अखिल भारतीय लोक सेवा आयोगों की स्थायी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। वे 28 सितंबर 2029 को रिटायर होंगे।

शील वर्धन सिंह, आईपीएस से रिटायर हुए हैं। उन्हें 15 जनवरी 2024 को आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया था। वे 37 साल तक पुलिस सर्विस में रहे हैं। उन्हें नवंबर 2021 से अगस्त 2023 तक सीआईएसएफ डीजी के रूप में कार्य किया है। वे भारतीय उच्चायोग, ढाका में भी तैनात रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कई दूसरे पदों पर भी कार्य किया है।

संजय वर्मा ने एक फरवरी 2024 को संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। वे 1990 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए थे। उन्होंने सचिव 'पश्चिम', प्रोटोकॉल प्रमुख, संयुक्त सचिव 'उर्जा सुरक्षा', ओएसडी 'प्रेस संबंध' और उप सचिव 'चीन' जैसे पदों पर कार्य किया है। वे स्पेन, अंडोरा और यूएनडब्ल्यूटीओ में राजदूत रहे हैं। संजय वर्मा, 27 जनवरी 2030 तक यूपीएससी में बतौर सदस्य काम करेंगे।

कांग्रेस ने कसा तंज

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने यूपीएससी के अध्यक्ष को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी 2017 में गुजरात से अपने पसंदीदा 'शिक्षाविदों' में से एक को यूपीएससी सदस्य के रूप में लाए। उन्हें 2023 में छह साल के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष बनाया।

विधात्री ने बतौर पेशेवर डब्ल्यूपीजीटी के नौवें चरण में पहला खिताब जीता

होसुर (तमिलनाडु)। भारतीय गोल्फर विधात्री उर्स ने शुक्रवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) 2024 के नौवे चरण का खिताब अपने नाम किया। विधात्री ने अंतिम दौर के शुरूआत मे बर्डी की हैट्रिक लगाई और दो शॉट से खिताब जीत लिया। विधात्री ने एक अंडर 70 का कार्ड खेला। इससे पहले उन्होंने दो दिन मे 68 और 69 के कार्ड खेले थे। इससे उनका कुल स्कोर छह अंडर 207 रहा। यह विधात्री की बतौर पेशेवर गोल्फर पहली जीत थी। हालांकि एमेच्योर के तौर पर वह पहले भी टूर पर खिताब जीत चुकी है।

विश्व जूनियर स्क्वाश टीम स्पर्धा में भारत की जीत के साथ शुरूआत

ह्यूस्टन। भारत ने विश्व जूनियर स्क्वाश चैम्पियनशिप मे जीत के साथ शुरूआत की जब लड़के और लड़कियो की टीम ने अपने अपने मुकाबले अच्छे अंतर से जीते। लड़कों ने कुवैत को ग्रुप एफ के मुकाबले मे 3-0 से हराया जबकि राष्ट्रीय चैम्पियन अनाहत सिंह की अगुवाई मे लड़कियो ने ग्रुप डी मे चीनी ताइपै को इसी अंतर से मात दी। अब लड़कों का सामना शुक्रवार को ब्राजील से होगा जबकि लड़कियो की टीम को ब्राजील और आस्ट्रेलिया से खेलना है।

गोवा चैलेंजर्स के सामने शुरूआती मैच में जयपुर पैट्रियट्स की चुनौती

चेन्नई। गत चैंपियन गोवा चैलेंजर्स 22 अगस्त से सात सितंबर तक यहां होने वाले अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के शुरूआती मैच मे नई टीम जयपुर पैट्रियट्स का सामना करेगा। इस फ्रेंचाइजी-आधारित लीग मे दो नई टीमें जुड़ी है। आठ टीमों के इस लीग के सभी 23 मैच यहां के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम मे खेले जाएंगे। इसमे 16 अंतरराष्ट्रीय सहित कुल 48 खिलाड़ी भाग लेंगे। इसमे विश्व रैंकिंग मे 10वे स्थान पर काबिज बर्नडिट स्जोक्स, विश्व नंबर 16 नीना मित्तेल्हम, और नाइजीरिया के दिग्गज और वर्तमान विश्व नंबर 19 कादरी अरूणा भाग लेने वाले शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाडियो मे शामिल है।

नौरी को हराकर नडाल नॉर्डिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

बस्ताड (स्वीडन)। रफेल नडाल ने पांचवी वरीयता प्राप्त कैमरन नौरी को 6-4, 6-4 से हराकर नॉर्डिया ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश कर लिया। दूसरे सेट के पहले गेम मे नडाल गिर गए और खून बहने लगा जिससे उन्हें मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ी। उन्होने मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर जनवरी के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई। नडाल ने 2005 मे 19 वर्ष की उम्र मे यहां खिताब जीता था जिसके बाद वह पहली बार यहां खेल रहे है। वह पेरिस मे रोलां गैरो पर ओलंपिक मे खेलने की तैयारी मे है।

ओलंपिक में खेलेगी इस्राइली फुटबॉल टीम

ज्यूरिख। फीफा ने इस्राइल को अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से प्रतिबंधित करने के फलस्तीन के प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया है जिससे इस्राइली फुटबॉल टीम पेरिस ओलंपिक मे खेल सकेगी। दो महीने पहले फलस्तीन के प्रस्ताव पर निष्पक्ष कानूनी आकलन की घोषणा के बाद फीफा को आमसभा की असाधारण बैठक मे शनिवार को इस पर फैसला लेना था। यह फैसला ओलंपिक की फुटबॉल स्पर्धा शुरू होने से चार दिन पहले आता जिसमे इस्राइल को जापान, माली और पराग्वे के साथ एक ग्रुप मे रखा गया है।

2047 में खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य : मांडविया

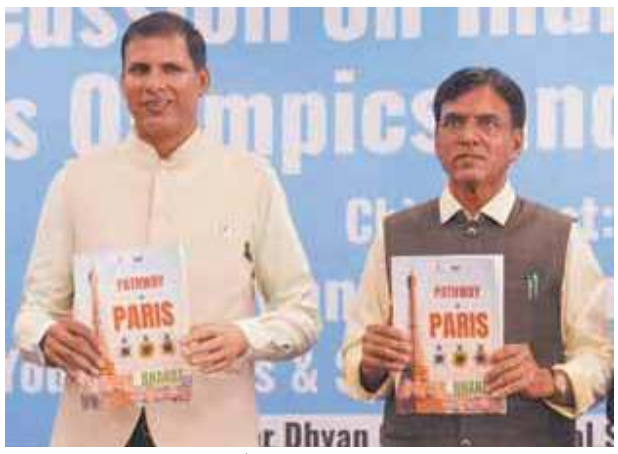

नए भारत के निर्माण में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 में आजादी की सौवीं सालगिरह पर भारत का खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य रहेगा। खेलमंत्री ने कहा , पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है और आजादी की सौंवी सालगिरह पर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। जब देश कोरोना लॉकडाउन में था , तब सरकार 2047 का रोडमैप तैयार कर रही थी। नवनिर्माण के इस रोडमैप का हिस्सा खेल भी है और जब हम विकसित राष्ट्र होंगे तो खेलों में भी शीर्ष पांच में रहेंगे। उन्होंने कहा , भारत विविधताओं का देश है और यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। प्रतिभा को तलाशकर उसे इको सिस्टम में लाने और मौके देने की जरूरत भर है। मैने कोरोना के दौरान अनुभव किया है कि भारत में मैन पावर और ब्रेन पावर की कमी नहीं है और उसके दम पर ही हमने कामयाबी पाई है। पिछली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे मांडविया ने कहा , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में वह इको सिस्टम तैयार हुआ है जिसमें विभिन्न कार्य योजनाओं के जरिए खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में मदद की जा रही है। मैं पेरिस ओलंपिक में भाग लेने जा रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। खेलमंत्री ने पेरिस ओलंपिक और पैरालम्पिक के लिए भारत की तैयारियों को लेकर दिल्ली खेल पत्रकार संघ द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर आयोजित परिचर्चा कहा , पेरिस ओलंपिक में पदकों की संभावना को लेकर मैं कोई आंकड़ा तो नहीं दूंगा लेकिन उम्मीद है कि पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन होगा। हमने तोक्यो में सात पदक जीते थे और अब उससे आगे जाएंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक 2020 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण समेत सात पदक जीते थे। 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारत 117 सदस्ईय दल भेज रहा है जो तोक्यो ओलंपिक (121) के बाद सबसे बड़ा है। इस

अबकी बार 25 पार , पैरालम्पिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का लक्ष्य : झाझडिया

नई दिल्ली। भारतीय पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया ने शुक्रवार को कहा कि पेरिस पैरालम्पिक मे भारत को न सिर्फ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का यकीन है बल्कि पूरी उम्मीद है कि पदक संख्या 25 पार जाएगी। भारतीय पैरालम्पिक दल ने तोक्यो मे इतिहास रचते हुए पांच स्वर्ण पदक समेत 19 पदक जीते थे। झाझडिया ने पेरिस ओलंपिक और पैरालम्पिक के लिए भारत की तैयारियो को लेकर एक परिचर्चा मे कहा , मुझे लगता है कि पेरिस मे हमारा प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ होगा। हमारा स्लोगन है अबकी बार 25 पार। मै खिलाड़ियो के संपर्क मे हूं और तैयारियां बहुत अच्छी चल रही है। तीन बार के पैरालम्पिक पदक विजेता झाझडिया ने 2004 एथेंस ओलंपिक और 2016 रियो ओलंपिक मे एफ 46 भालाफेंक मे स्वर्ण पदक जीता था जबकि तोक्यो में उन्होंने रजत पदक जीता। उन्होने कहा , खिलाड़ी शारीरिक ही नही मानसिक रूप से भी सुपर फिट है। उन्हें टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) से पूरी सुविधाएं मिल रही है। हम कोबे मे विश्व चैम्पियनशिप मे पांचवें स्थान पर रहे जो बड़ी बात है। पेरिस पैरालम्पिक 28 अगस्त से शुरू होंगे। झाझडिया ने कहा कि पिछले दस साल मे भारत मे खेलों का परिदृश्य बहुत बदल गया है। उन्होंने पैरालम्पिक के अपने सफर के बारे मे कहा , 2004 मे एथेंस मे मै अपने खर्च पर गया था जहां विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। रियो ओलंपिक मे स्वर्ण जीतने के बाद चोटों के कारण खेल छोड़ने का मन बनाया लेकिन फिर तोक्यो ओलंपिक खेला। तोक्यो खेलों से पहले हमने कोरोना का दौर देखा जिस समय मै गांधीनगर मे अभ्यास करता था। वहां सिर्फ दस लोग थे और पूरा परिसर खाली था लेकिन हमारी तैयारी पुख्ता रही।

कीर्ति के तहत 100 दिन में एक लाख खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कीर्ति परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसका लक्ष्य 100 दिन के अंदर एक लाख युवा खिलाड़ियों की पहचान करना है। खेल मंत्री का मानना है कि खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान (कीर्ति) भारत को 2047 तक ओलंपिक खेलों मे शीर्ष पांच देशों मे शामिल करने की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम होगा।मांडविया ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मे कार्यक्रम के दूसरे चरण का शुभारंभ करने के बाद कहा, भारत विविधता और संभावनाओ से भरा देश है। भारत मे कभी बुद्धि, जनशक्ति या प्रतिभा की कमी नही रही है। उन्होंने कहा, केवल शहर कि नही, दूर दराज के क्षेत्रों जैसे उत्तर-पूर्व, तटीय, हिमालई और आदिवासी क्षेत्रों मे भी अच्छे खिलाड़ी हो सकते है। कीर्ति कार्यक्रम के इस चरण मे खेलो इंडिया योजना के सभी 20 खेल शामिल होंगे।

देश को कुछ देने के जज्बे से खेले हॉकी टीम, पेरिस में पदक पक्का : अशोक ध्यानचंद

नई दिल्ली।भारतीय हॉकी के ओलंपिक मे गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए पूर्व धुरंधर अशोक ध्यानचंद ने कहा कि पेरिस ओलंपिक मे कठिन पूल के बावजूद भारत की तैयारी इतनी पुख्ता है कि पदक पक्का लग रहा है। तोक्यो ओलंपिक मे कांस्य पदक जीतकर 41 साल का इंतजार खत्म करने वाली भारतीय टीम को पेरिस मे पूर्व चैम्पियन अर्जेंटीना, बेल्जियम और आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमो के पूल मे जगह मिली है। अशोक कुमार ने पेरिस ओलंपिक और पैरालम्पिक की तैयारियो पर दिल्ली खेल पत्रकार संघ और भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित परिचर्चा मे कहा , मै टीम से इतना ही कहूंगा कि पूल पर ध्यान नही दे और मैच दर मैच प्रदर्शन पर फोकस रखें। प्रो लीग मे हमारा प्रदर्शन अच्छा नही रहा लेकिन यह टीम उस मुकाम पर है कि अपना दिन होने पर किसी को भी हरा सकती है। उन्होने कहा , कई खिलाड़ियों का यह आखिरी ओलंपिक है और पदक जीतने के लिए वे कोई कोर कसर नही छोड़ेंगे। कांस्य को अब स्वर्ण पदक मे बदलने की जरूरत है। विश्व कप 1975 मे भारत की खिताबी जीत के नायक रहे अशोक कुमार ने कहा , मैने 1972 मे अपना पहला ओलंपिक खेला तब खेल मंत्रालय नही होता था। लेकिन तब हम सुविधाओ के बारे मे सोचते ही नही थे।बस देश के लिए खेलने और पदक जीतने का जज्बा रहता था। उन्होंने कहा , अब तो खिलाड़ियों की तैयारियो पर सरकार का पूरा फोकस है और कोई कमी नही रखी जा रही। खिलाड़ियों को इस भाव के साथ उतरना चाहिए कि देश ने सब कुछ दिया और अब देने की उनकी बारी है।

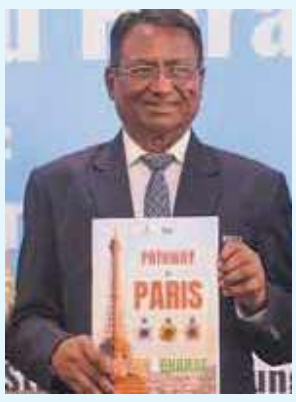

अतीत में ओलंपिक पदक के करीब पहुंच कर भारतीय खिलाड़ियों को मिली निराशा

अक्सर कहाजाता है कि ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल करना किसी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी निराशा होती है। किसी प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को अगर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, तो वहीं चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को पदक चूकने की टिस रहती है। खेल के सबसे बड़े वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ी कई बार बेहद करीब से ओलंपिक पदक जीतने से चूक गए। इसकी शुरुआत 1956 मेलबर्न ओलंपिक में हुई थी और यह तोक्यो में हुए पिछले ओलंपिक तक जारी रहा।

मेलबर्न ओलंपिक , 1956

भारतीय फुटबॉल टीम ने क्वार्टर फाइनल में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में ही नेविल डिसूजा ओलंपिक में हैट्रिक गोल करने वाले पहले एशियाई बने। नेविल ने सेमीफाइनल में यूगोस्लाविया के खिलाफ टीम को बढ़त दिला कर अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश की लेकिन यूगोस्लाविया ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। कांस्य पदक मुकाबले में भारत बुल्गारिया से 0-3 से हार गया। भारत के महान खिलाड़ी पीके बनर्जी अक्सर अपनी इस पीड़ा को साझा करते थे।

रोम ओलंपिक, 1960

महान मिल्खा सिंह 400 मीटर फाइनल मे पदक के दावेदार थे लेकिन वह सेकंड के 10वे हिस्से से कांस्य पदक जीतने से चूक गए। विभाजन के बाद अपने माता-पिता को खोने के बाद इसे उनकी सबसे बुरी याद के रूप मे याद किया जाएगा। इस हार के बाद फ्लाइंग सिख ने खेल लगभग छोड़ ही दिया था। उन्होंने इसके बाद 1962 के एशियाई खेलो मे दो स्वर्ण पदक जीते लेकिन ओलंपिक पदक चूकने की टिस हमेशा बरकरार रही।

मास्को ओलंपिक, 1980

नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और ग्रेट ब्रिटेन जैसे शीर्ष हॉकी देशों ने अफगानिस्तान पर तत्कालीन सोवियत संघ के आक्रमण पर मास्को खेलों का बहिष्कार किया था, भारतीय महिला हॉकी टीम के पास अपने पहले प्रयास में ही पदक जीतने का बड़ा मौका था। टीम को हालांकि पदक से चूकने की निराशा का सामना करना पड़ा। टीम अपने आखिरी मैच में सोवियत संघ से 1-3 से हारकर चौथे स्थान पर रही।

लास एंजिलिस ओलंपिक, 1984

लास एंजिलिस ओलंपिक ने मिल्खा की रोम ओलंपिक की यादें फिर से ताजा कर दी जब पीटी उषा 400 मीटर बाधा दौड़ मे सेकंड के 100वें हिस्से से कांस्य पदक से चूक गईं। जिससे यह किसी भी प्रतियोगिता मे किसी भारतीय एथलीट के लिए अब तक की सबसे करीबी चूक बन गई। पय्योली एक्सप्रेस के नाम से मशहूर उषा रोमानिया की क्रिस्टीना कोजोकारू के बाद चौथे स्थान पर रही। वह हालांकि अपनी इस साहसिक प्रयास के बाद घरेलू नाम बन गई।

लंदन ओलंपिक, 2012

निशानेबाज जॉयदीप करमाकर ने इस सत्र में कांस्य पदक विजेता से एक स्थान पीछे रहने के निराशा का अनुभव किया। करमाकर पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा के क्वालिफिकेशन राउंड में सातवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में वह कांस्य पदक विजेता से सिर्फ 1.9 अंक पीछे रहे।

एथेंस ओलंपिक 2004 : दिग्गज लिएंडर पेस और महेश भूपति की टेनिस मे भारत की संभवतः सबसे महान युगल जोड़ी एथेंस खेलों मे पुरुष युगल मे पोडियम पर पहुंचने से चूक गई।पेस और भूपति क्रोएशिया के मारियो एनसिक और इवान ल्युबिसिक से मैराथन मैच मे 6-7, 6-4, 14-16 से हारकर कांस्य पदक से चूक गए और चौथे स्थान पर रहे।इस जोड़ी को इससे पहले सेमीफाइनल मे निकोलस किफर और रेनर शटलर की जर्मनी की जोड़ी से सीधे सेटों मे 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था। इन खेलों मे कुंजारानी देवी महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन प्रतियोगिता मे चौथे स्थान पर रही, लेकिन वह वास्तव मे पदक की दौड़ मे नही थी। वह क्लीन एवं जर्क वर्ग मे 112.5 किग्रा वजन उठाने के अपने अंतिम प्रयास मे अयोग्य घोषित कर दी गईं। कुंजारानी 190 किग्रा के कुल प्रयास के साथ कांस्य पदक विजेता थाईलैंड की एरी विराथावोर्न से 10 किग्रा पीछे रही।

रियो ओलंपिक, 2016

दीपा करमाकर ओलंपिक खेलों मे प्रतिस्पर्धा करने वाली पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बनी। महिलाओं की वॉल्ट स्पर्धा के फाइनल मे जगह बनाने के बाद, वह महज 0.150 अंकों से कांस्य पदक से चूक गईं। उन्होंने 15.066 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इसी ओलंपिक मे अभिनव बिंद्रा का शानदार करियर एक परीकथा जैसे समापन की ओर बढ़ रहा था, लेकिन वह भी मामूली अंतर से पदक जीतने से चूक गए। बीजिंग ओलंपिक मे स्वर्ण जीतने वाले बिंद्रा कांस्य पदक से मामूली अंतर से पिछड़ गए। बोपन्ना को 2004 के बाद एक बार फिर से ओलंपिक पदक जीतने से दूर रहने की निराशा का सामना करना पड़ा जब उनकी और सानिया मिर्जा की भारतीय मिश्रित युगल टेनिस जोड़ी को सेमीफाइनल और फिर कांस्य पदक मुकाबले मे हार का सामना करना पड़ा। इस जोड़ी को कांस्य पदक मैच मे लुसी ह्रादेका और रादेक स्तेपानेक से हार का सामना करना पड़ा था।

तोक्यो आंलंपिक, 2020

मास्को खेलों के चार दशक के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को एक बार फिर करीब से पदक चूकने का दंस झेलना पड़ा। भारतीय टीम तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन ऑस्टेलिया को हराकर सेमीफाइनल मे पहुंची लेकिन उसे अंतिम चार मैच मे अर्जेंटीना से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम को इसके बार कांस्य पदक मैच मे ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 3-2 की बढ़त को बरकरार नही रख सकी और 3-4 से हार गई। इसी ओलंपिक मे अदिति अशोक ऐतिहासिक पदक जीतने से चूक गई। विश्व रैंकिंग मे 200 वे स्थान पर काबिल इस खिलाड़ी ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को टक्कर दी लेकिन बेहद मामूली अंतर से पदक नही जीत सकी।

श्रृंगेरी के शारदा मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए परिधान के नियम अनिवार्य किए गए

चिक्कमगलुरू (कर्नाटक)। (श्रृंगेरी स्थित शारदम्बा मंदिर ने 15 अगस्त से मंदिर मे प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओ के लिए परिधान संबंधी नियम लागू किया है। मंदिर प्रशासन के एक बयान के अनुसार मंदिर मे दर्शन के लिए आने वालो को केवल पारंपरिक भारतीय परिधान पहनने की अनुमति होगी। इसमे स्पष्ट किया गया है कि श्रद्धालुओ को श्रृंगेरी शारदा मंदिर और तुंगा नदी के पार स्थित शंकराचार्य गुरु के मठ मे जाते समय पारंपरिक भारतीय पोशाक पहननी होगी। परिधान संबंधी नियमो का पालन नही करने वालो को अर्ध मंडपम के बाहर से ही भगवान के दर्शन करने की अनुमति होगी। उन्हे गर्भगृह और आंतरिक परिक्रमा तक पहुंचने की अनुमति नही होगी। मंदिर मे आने वाले सभी भक्तो पर परिधान संबंधी यह नियम 15 अगस्त से सख्ती से लागू होगा। इसमे कहा गया है कि निर्धारित परिधान मे पुरुषो के लिए धोती और अंगवस्त्रम और महिलाओ के लिए साड़ी-ब्लाउज, सलवार-दुपट्टा शामिल है।

ओला इलेक्ट्रिक वाहनों पर देगा जोर

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक अपने ओला एस1 स्कूटरों की खरीद पर 25,000 रुपये तक के आकर्षक बेनेफ़िट्स प्रदान कर रहा है। 22 जुलाई तक लागू इन ऑफ़रों में एस1 एक्स पर 10,000 रुपये और एस1 प्रो एवं एस1 एयर पर 5ए000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर ग्राहकों को 5,000 रुपये तक का अतिरिक्त डिस्काउंट भी दे रही है। इन ऑफ़रों के अलावा ग्राहकों को ईएमपीएस 2024 के अंतर्गत 10,000 रुपये की सब्सिडी भी मिलेगी। इन आकर्षक ऑफ़रों का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कीमतें बढ़ने से पहले ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदकर उसे रजिस्टर कराना होगा। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

इसुजू का मॉनसून कैम्प' 22 जुलाई तक

मुंबई। इसुजू मोटर्स इंडिया ने वाहन स्वामित्व का बेहतरीन और अतुलनीय अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ पूरे देश में 'इसुजू आई केयर मॉनसून कैम्प' की घोषणा की है। इसुजू डी-मैक्स पिक-अप और एसयूवी के लिए डिजाइन किए गये ये शिविर पूरे देश में इसुजू वाहन मालिकों को आकर्षक लाभ और प्रिवेंटिव मेंटेनेंस जाँच प्रदान करेंगे। इसुजू केयर' द्वारा 10 से 22 जुलाई 2023 (ये दोनों दिन भी शामिल) के बीच सभी अधिकृत इसुजू डीलर सर्विस आउटलेट्स पर एक मॉनसून कैम्प लगाया जा रहा है। इस अवधि में ग्राहकों को उनके वाहनों के लिए विशेष ऑफर और लाभ दिये जा रहे हैं। इस शिविर में आने वाले ग्राहकों को निम्नलिखित लाभ होंगे। मुफ़्त 37-पॉइंट विस्तृत जाँच, लेबर पर 10प्रतिशज की छूट,पार्ट्स पर 5प्रतिशत की छूट,ल्यूब और फ्लूइड पर 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

राज्यपाल के खिलाफ ममता बनर्जी ने दायर की अपील

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष अपील दायर करके एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमे उन्हे और तीन अन्य को राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस के खिलाफ कोई मानहानिकारक या गलत बयान देने से रोक दिया गया था। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने राज्यपाल द्वारा दायर मानहानि वाद पर मंगलवार को यह अंतरिम आदेश पारित किया था। तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण से जुड़े विवाद पर बोलते हुए बनर्जी ने कुछ टिप्पणियां की थी, जिसके खिलाफ बोस ने वाद दायर किया है। बनर्जी ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी, जो 14 अगस्त तक के लिए है। अब इसे एक खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

असम 2041 तक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा: हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि उनके राज्य में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ रही है और 2041 तक वे बहुसंख्यक हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय नमूने के अनुसार असम में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत है। शर्मा ने कहा, 2011 में असम में 1.4 करोड़ मुसलमान थे। 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। यह एक वास्तविकता है और इसे कोई नहीं रोक सकता। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, असम में कुल मुस्लिम आबादी 1.07 करोड़ थी जो कुल 3.12 करोड़ निवासियों का

34.22 प्रतिशत थी। राज्य में 1.92 करोड़ हिंदू थे जो कुल आबादी का लगभग 61.47 प्रतिशत था। मुख्यमंत्री ने कहा, हर 10 साल में असम में मुस्लिम आबादी 11 लाख बढ़ जाती है... यह हिमंत विश्व शर्मा का डेटा नहीं है, बल्कि भारतीय जनगणना का डेटा है। ए सभी प्रकाशित डेटा हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय की आबादी हर 10 साल में लगभग 16 प्रतिशत बढ़ रही है। शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार ने मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या वृद्धि को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, कई लोगों ने हमारी मदद भी की है। अगर निजुत मोइना योजना सफल होती है तो लड़कियां चिकित्सक और इंजीनियर बनेंगी। फिर वे (बच्चों को) जन्म नहीं देंगी। इस योजना के तहत असम सरकार बाल विवाह को रोकने के उद्देश्य से कक्षा 11 से स्नातकोत्तर तक की छात्राओं को अगले पांच वर्षों तक 2,500 रुपए तक का मासिक मानदेय प्रदान करती है। उन्होंने कहा, "पिछले तीन वर्षों में हमारी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से हमें कुछ परिणाम मिलेंगे, लेकिन समस्या बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा, 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा।

असम में दो वर्षों में किशोरावस्था में गर्भधारण के मामलों में 64 प्रतिशत की कमी आई: सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि बाल विवाह के खिलाफ सरकार के अभियान के परिणामस्वरूप पिछले दो वर्ष मे राज्य मे किशोरावस्था मे गर्भधारण के मामलो मे लगभग 64 प्रतिशत की कमी आई है। शर्मा ने कहा कि यह प्रवृत्ति एक राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा हाल मे किए गए आकलन मे देखी गई, जिसने बाल विवाह के खिलाफ कड़े कानूनो की उपयोगिता पर असम के 3,000 गांवो का सर्वेक्षण किया था।शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा, बाल विवाह के खिलाफ हमारा अभियान न केवल सामाजिक परिवर्तन ला रहा है,।

विश्व धरोहर समिति का सत्र भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करेगा, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को कहा कि जी20 की मेजबानी के बाद 21 से 31 जुलाई तक यहां आयोजित विश्व धरोहर समिति का 46वां सत्र मील का पत्थर साबित होगा। सत्र से पहले यहां एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम के उद्घाटन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। हालांकि, बाद में संस्कृति मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 21 जुलाई को सत्र का उद्घाटन करेंगे। यह पहली बार है जब सत्र भारत में आयोजित किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) का सत्र भारत को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, अपने स्थलों के रख-रखाव और प्रबंधन तथा भारत द्वारा अपनी विरासत को दी जाने वाली प्राथमिकता को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा। यह पूछे जाने पर कि इस महत्वपूर्ण बैठक के लिए मेजबान शहर के रूप में दिल्ली को किस मानदंड के तहत चुना गया, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण इस आयोजन के लिए दिल्ली स्वाभाविक पसंद थी। डब्ल्यूएचसी के सत्र से पहले, सरकार ने हाल में एक लोक कला परियोजना शुरू की है, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के यूनेस्को विरासत स्थलों पर आधारित कार्य शामिल हैं। विश्व धरोहर सम्मेलन का सत्र भारत मंडपम में होगा, जो जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन स्थल भी था।

ट्रेन हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हुई

उत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है, जबकि 31 लोग घायल हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद शुक्रवार की शाम पहली मालगाड़ी चलाई गई। इस बीच घटना के कारणों की उच्च स्तरीय जांच शुरू हो गई है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) 21 जुलाई को हादसे की जांच करेंगे। गोंडा की जिलाधिकारी ने भी घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में रेल पटरियों के मरम्मत का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। रेल प्रशासन का दावा

है कि देर रात तक आवागमन बहाल कर दिया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज और झींलाही रेलवे स्टेशन के बीच बृहस्पतिवार दोपहर को ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए थे। गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा, अब तक चार यात्रियों की मौत हो चुकी है और 32 घायल हैं। घायलों में से करीब छह की हालत गंभीर है। शर्मा ने कहा, मृतकों में राहुल (38), सरोज कुमार सिंह (31) तथा दो अज्ञात शामिल हैं। अज्ञात में से एक व्यक्ति का शव आज सुबह बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप घायल दो यात्रियों का उपचार लखनऊके ट्रामा सेंटर में किया जा रहा है। आधिकारिक बयान में शर्मा ने कहा कि दुर्घटना के कुछ घंटों बाद बृहस्पतिवार रात जब चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 600 यात्रियों को एक विशेष ट्रेन से असम के लिए रवाना किया गया वह उस समय मनकापुर जंक्शन पर मौजूद थीं। जिलाधिकारी ने बताया कि उन्होंने कई यात्रियों से बातचीत की और उनमें से किसी ने भी अपने सहयोगी के लापता होने की शिकायत नहीं की। उन्होंने यह भी बताया कि रेल की पटरियों की मरम्मत का काम जारी है और जल्द ही इसे पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी शर्मा सुबह में जिला अस्पताल पहुंचीं तथा यहां भर्ती घायलों से मिलकर उनका हालचाल जाना।

रूसी सशस्त्र बलों में कार्यरत 50 भारतीय छोड़ना चाहते हैं नौकरी : विदेश मंत्रालय

रूस के सशस्त्र बलों में कार्यरत भारतीयों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए भारत और रूस काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ और नौ जुलाई की दो दिवसीय मॉस्को यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमें लगभग 50 भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी है जो वर्तमान में रूसी सशस्त्र बलों की नौकरी छोड़ना चाहते हैं। प्रवक्ता ने अपने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ए ऐसे मामले हैं जिनमें व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों ने उनकी सेवा की यथाशीघ्र समाप्ति सुनिश्चित करने में सहायता के लिए हमसे संपर्क किया है। जायसवाल ने कहा कि इस मुद्दे को रूस के साथ नेतृत्व स्तर सहित विभिन्न स्तरों पर उठाया गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने अपनी हालिया रूस यात्रा के दौरान इस मामले को उठाया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने यूक्रेनी समकक्ष के साथ फोन पर बात की

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को फोन पर यूक्रेन के अपने समकक्ष दमित्रो कुलेबा के साथ वार्ता की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा के करीब दस दिन बाद दोनो नेताओ के बीच यह वार्ता हुई है। जयशंकर ने कहा कि बातचीत द्विपक्षीय संबंधो को और विकसित करने पर केंद्रित थी। दोनो देशो के विदेश मंत्रियो के बीच फोन पर बातचीत मोदी की आठ-नौ जुलाई की मॉस्को यात्रा की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेस्की द्वारा आलोचना किए जाने की पृष्ठभूमि मे हुई। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज दोपहर मे यूक्रेन के विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा के साथ एक अच्छी बातचीत हुई।

गुजरात के कुछ जिलों में भारी बारिश, पोरबंदर तालुका में 36 घंटे में 565 मिमी वर्षा

गुजरात के पोरबंदर, जूनागढ़ और देवभूमि द्वारका जिले में शुक्रवार शाम छह बजे तक पिछले 36 घंटे की अवधि में भारी बारिश हुई। वहीं, पोरबंदर तालुका में इस अवधि के दौरान 565 मिलीमीटर बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अगले चार दिनों में पोरबंदर में और बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण इन जिलों के कई इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे कुछ सड़कें, पुल और अंडरपास बंद होने से यातायात बाधित हुआ और लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सौराष्ट्र क्षेत्र के पोरबंदर तालुका में शाम छह बजे तक पिछले 36 घंटे की अवधि में सबसे ज्यादा 565 मिमी बारिश हुई। इसके बाद देवभूमि द्वारका के कल्याणपुर तालुका में 412 मिमी, जूनागढ़ के केशोद तालुका में 401 मिमी, वंथली में 353 मिमी और पोरबंदर के राणावाव में 330 मिमी बारिश हुई। पोरबंदर के जिलाधिकारी केडी लखानी ने संवाददाताओं को बताया, भारी बारिश और तटीय क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति के कारण कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई है।

राष्ट्रपति ने सेनाध्यक्ष और नौसेना अध्यक्ष को परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया

राष्ट्रतपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को राष्ट्र के प्रति उनकी विशिष्ट सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम) से सम्मानित किया। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह के दूसरे चरण में राष्ट्रपति मुर्मू ने सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल के 94 कर्मियों को विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया। रक्षा अलंकरण समारोह का पहला चरण पांच जुलाई को आयोजित किया गया था। उस समय राष्ट्रपति ने कर्तव्य के

दौरान अदम्य साहस और असाधारण वीरता का प्रदर्शन करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों के 10 जवानों को कीर्ति चक्र प्रदान किए थे जिनमें से सात को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया। कीर्ति चक्र भारत में शांतिकाल के दौरान वीरता के लिए दिया जाने वाला दूसरा शीर्ष अलंकरण हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, शुक्रवार को आयोजित समारोह के दूसरे चरण में राष्ट्रपति ने 31 पीवीएसएम, चार यूवाईएसएम (उत्तम युद्ध सेवा पदक), दो एवीएसएम (अति विशिष्ट सेवा पदक) और 57 एवीएसएम (अति विशिष्ट सेवा पदक) प्रदान किए। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी को शुक्रवार को पीवीएसएम से सम्मानित किया गया। पीवीएसएम से सम्मानित होने वाले अन्य अधिकारियों में लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, लेफ्टिनेंट जनरल जॉनसन पी मैथ्यू और एयर मार्शल रवि गोपाल कृष्ण कपूर के अलावा सेना और भारतीय वायु सेना के कई सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में समारोह की तस्वीरें साझा कीं।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार, लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को परम विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किया।

एनसीएपी कोष का दो-तिहाई हिस्सा धूल प्रबंधन के लिए इस्तेमाल किया गया: रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत 131 शहरों को आवंटित धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा धूल प्रबंधन के लिए इस्तेमाल किया गया है, जबकि औद्योगिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रतिशत से भी कम का उपयोग किया गया है। एक नई रिपोर्ट में शुक्रवार को यह बात कही गई। साल 2019 में शुरू किया गया एनसीएपी स्वच्छ वायु लक्ष्य निर्धारित करने का भारत का पहला राष्ट्रीय प्रयास है। इसका लक्ष्य 2017 को आधार वर्ष मानकर 2024 तक पीएम10 प्रदूषण में 20-30 प्रतिशत की कमी लाना है। संशोधित लक्ष्य 2019-20 को आधार वर्ष के रूप में उपयोग करते हुए 2026 तक इस प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कटौती का है।

ठाणे के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्रों कीर्तिमान

मुंबई। निमाई भावसार (3rd year MBBS) के छात्र ने महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक (MUHS) द्वारा आयोजित ₹राज्य स्तरीय अनुसंधान प्रतियोगिता 2023-24₹ में प्रथम पुरस्कार जीत कर कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने ₹कंट्रास्ट प्रेरित नेफ्रोपैथी (Contrast Induced Nephropathy) के लिए हीमोग्लोबिन का क्रिएटिनिन अनुपात का पूर्वानुमानित मूल्य₹ शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। इस पेपर में, उन्होंने रोगी के हीमोग्लोबिन और क्रिएटिनिन अनुपात के आधार पर भविष्य में किडनी फेल होने के जोखिम की समीक्षा की है। उक्त

अनुसंधान परियोजना को आईसीएमआर यानी भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान फेलोशिप के लिए शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (Short Term Studentship) कार्यक्रम के तहत चुना गया है।

उन्होंने यह शोध ठाणे मनपा के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज (Rajiv Gandhi Medical College) के बायोकेमिस्ट्री विभाग में किया। मोहित रोजेकर के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस शोध में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जयेश पनोत ने सहयोग किया

टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई के प्लास्टिक रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता में राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के छात्र परीक्षित सकलानी और केदार मोदी की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस टूर्नामेंट में पूरे भारत से 72 टीमों ने भाग लिया। फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली पांच टीमों में से राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों की टीम ने जीत हासिल की है।

बजट से पहले शेयर बाजार! में गिरावट, अब 22 जुलाई को क्या होगा?

मुंबई. साल 2024 के लिए देश का बजट (country budget) 23 जुलाई को पेश किया जाएगा। इससे पहले शेयर बाजार (stock market) में मुनाफावसूली देखने को मिली। बजट से पहले सतर्क धारणा के कारण भी जोरदार मुनाफावसूली (Profit booking) देखी गई। इसलिए आज सभी प्रमुख सूचकांक लाल निशान (Indices in red mark) में बंद हुए। सत्र के अंत में सेंसेक्स (Sensex) 755.48 अंक या 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,587.98 पर बंद हुआ। निफ्टी(Nifty) 275.20 अंक यानी 1.11 फीसदी गिरकर 24,525.60 पर बंद हुआ। आज लगभग 756 शेयरों में तेजी आई, 2618 शेयरों में गिरावट आई, जबकि 74 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। लगभग सभी क्षेत्रों में बिक्री देखी गई।

22 जुलाई को कैसी रहेगी बाजार की दिशा?

स्टॉकबॉक्स के तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक अवधूत बागकर ने कहा कि कमजोर वैश्विक संकेतों और अमेरिका-चीन व्यापार तनाव पर ताजा चिंताओं के कारण शुक्रवार को भारतीय बाजारों में गिरावट आई। रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुलने के बावजूद, निफ्टी और सेंसेक्स जल्द ही लाल निशान में आ गए और अगले सत्र में तेजी से गिर गए। भारत के बेंचमार्क सूचकांक शुक्रवार को लगातार चौथे सत्र में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए; लेकिन बाद में गिरावट और अधिक हो गई।मेटल, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एनर्जी आदि सेक्टर में बड़ी गिरावट देखी गई। माइक्रोसॉफ्ट के आउटेज से परिचालन प्रभावित होने से ब्रोकरेज शेयरों में गिरावट आई।

अडानी के बहाने धारावी के टीडीआर पर उद्धव ठाकरे ने सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

नहीं मांगने देंगे." उन्होंने कहा, "वे आज ऐसी चीजें पेश कर रहे हैं जो अडानी के टेंडर के समय नहीं थीं. धारावी का प्लॉट 590 एकड़ है. इसमें 300 एकड़ में आवास है. शेष भूखंड पर माहिम नेचर पार्क और टाटा पावर स्टेशन का कब्जा है, "उद्धव ठाकरे ने कहा. "धारावी में हर घर को अब एक नंबर दिया गया है. पात्र-अपात्र में फंसाकर धाराविकरों को बाहर करने की योजना है. हम ऐसा नहीं होने देंगे," उद्धव ठाकरे ने कहा। धारावी को खाली कराया जाना चाहिए. अडानी की जेब में डालना अलग से. फिर यह तो कथानक काटने का ही रूप है. उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि यह मुंबई के नागरिक संतुलन को बिगाड़ने की एक चाल है.

'540 एकड़ जमीन मांगी गई'उन्होंने 590 एकड़ में से 540 एकड़ जमीन मांगी है. अधिक जगह की मांग करते हुए योग्य और अयोग्य की संख्या इतनी बढ़ा देनी चाहिए कि प्रोजेक्ट ही न हो सके. अधिक जगह के लिए दहिसर की मदर डेयरी, मुंबई के मीठागर, मुलुंड टोल नाका पर नजर है. उद्धव ठाकरे ने पूछा, ''किसी प्रिय मित्र के लिए स्लम योजना से किस तरह की जमीन का अधिग्रहण किया जाता है?''

भारी बारिश के कारण लोकल सेवाएं बाधित; सेंट्रल और हार्बर समेत वेस्टर्न रेलवे भी लेट!

भारी बारिश और ट्रेन सेवाओं में देरी के कारण सुबह-सुबह काम के लिए घर से निकलने वाले मजदूर वर्ग को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। रात से हो रही इस बारिश के कारण मुंबई शहर, उपनगरों, ठाणे, कल्याण और डोंबिवली इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त होने की तस्वीर देखने को मिल रही है। इन इलाकों में फिलहाल भारी बारिश हो रही है और हमेशा की तरह निचले इलाकों में पानी जमा होना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक यह भारी बारिश अगले कुछ घंटों तक जारी रहने की संभावना है। निचले इलाकों में पानी जमा होने लगता हैरात से जारी इस लगातार बारिश के कारण मुंबई और उपनगरों के कुछ निचले इलाकों में पानी जमा होने लगा है और इसका खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। इस भारी बारिश के कारण जहां रेल यातायात देरी से चल रहा है, वहीं जमा पानी के कारण सड़क यातायात भी प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग द्वारा दिए गए पूर्वानुमान के मुताबिक अगले कुछ घंटों तक बारिश जारी रहने की संभावना है। हालांकि, अगर बारिश जारी रही तो वेस्टर्न एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम होने की संभावना है।लोकल 'लाइफलाइन' में खलबली! सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण मुंबई की लाइफ लाइन यानी लोकल ट्रेन सेवा बाधित होती दिख रही है। सेंट्रल रेलवे और वेस्टर्न रेलवे लाइन पर लोकल ट्रेनें इस समय पांच से दस मिनट की देरी से चल रही हैं। तो वहीं हार्बर रेलवे लाइन पर भी ट्रेनें पंद्रह से बीस मिनट की देरी से चलती नजर आ रही हैं। अगर बारिश जारी रही तो ट्रेनों का शेड्यूल भी बिगड़ने की आशंका है। इसका असर अब नागरिकों पर पड़ रहा है और सुबह काम पर निकलने वाले मजदूर वर्ग को काफी परेशानी हो रही है।

राजा भाऊ गुर्गे ने किया सायन पनवेल हाई-वे नये बने ब्रिज के पास पड़े गड्ढो मे बैठकर आंदोलन

संबंधित विभाग के प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष उठाकर नाला सफाई करवाई है ! जिसको लेकर मानखुर्द की जनता राजा भाऊ गुर्गे के द्वारा उठाये जा रहे नागरिको की समस्याओं को जब तक हल नहीं करते तब तक चैन से नहीं बैठेने वाले तेज तर्रार सामाज सेवक का बहुत जल्द नागरिको द्वारा नागरिक सम्मान करने का मन बनाया है !

पृष्ठ 1/8 का शेष

बॉम्बे हाई कोर्ट से महाराष्ट्र

स्कूलों को आरटीई से बाहर करने के संबंध में राज्य सरकार द्वारा 9 फरवरी को जारी अधिसूचना को चुनौती स्वीकार कर ली थी. हाई कोर्ट ने मई महीने में ही इस नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी थी. हालांकि, हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि इस दौरान अन्य छात्रों को दिए गए दाखिले प्रभावित नहीं होने चाहिए. राज्य सरकार ने दावा किया था कि आरटीई के कारण सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम हो रही है. हालांकि कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया.

यहां बता दें, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार ने RTE में संशोधन किया था कि 25 फीसदी दाखिले की शर्त उन स्कूलों पर लागू नहीं होगी, जहां निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के 1 किमी के दायरे में सरकारी या सहायता प्राप्त स्कूल हैं। इस संबंध में शिक्षा निदेशक ने दिनांक 15.04.2024 को पत्र जारी किया था.

कांग्रेस पार्टी ने खोली महायुति

जंगल , महालक्ष्मी रेस कोश की जमीन, कुर्ला डेरी की जामिनो को अरब पति मित्रो को बेच दिया ! साहुकारों की सरकार सरकार अपने धनाढ्य मित्रो को खुश करने की चक्कर मे मुंबई की गरीब जनता को लोकल ट्रेनों मे धक्के खाकर ट्रेन से गिर कर तो मुंबई की झुग्गी झोपड़पट्टीयो मे गंदगी कचरे के बीच नागरिक सुबिधाओ के अभाव मे मरने के लिए छोड़ दिया है ! मुंबई करो को जहाँ रहने के लिए जमीन नहीं है ! वहीं अडानी को एयर पोर्ट , तो लोढ़ा को 5 हजार करोड़ कीमत की अस्पताल की जमीन बेच दिया !गरीब मुंबई करो पर साहूकारों की सरकार ने बढ़ाई महंगाई का कहर ! खोखे सरकार का रेट कार्ड इस प्रकार है विधायको का 50 करोड़ नगरसेवको का 45 लाख, जिला आरोग्य अधिकारि 25 लाख रुपए, कनिष्ठ इंजीनियर 10 लाख, ग्रुप डी सरकारी नौकरी का भाव 7 लाख रुपए तलाठि परीक्षा पेपर का भाव 5 लाख रुपए रखा है ! महाराष्ट्र राज्य मे चलने वाले विभिन्न बड़े प्रकल्पो मे हुए भ्रस्टाचार इस प्रकार है धारावी पूर्नवसन विकास के नाम पर, अटल सेतु, कोस्टल रोड मुंबई सड़क कंक्रीट कारण करना, लोढ़ा को अस्पताल की जमीन भेंट कर दी गई, मुंबई सौंदर्य कारण के नाम पर भ्रस्टाचार, बिल्डरो से वसूली, गोखले पुल जैसे अरबो खरबो के प्रकल्पो मे राज्य की महायुति एकनाथ एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फड़नाविस, अजीत पावर सरकार ने मुंबई करी टैक्स पेयेर जनता की पैसों की लूटने का कार्य भ्रस्टाचार के मध्यमो से किया है !

एकनाथ शिंदे सरकार के

अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के गठबंधन वाली इस शिंदे सरकार के शासन में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी आसमान छू रही है। आरोपपत्र जनता की अदालत में पेश यहां जिस कार्यक्रम में 'आरोपपत्र' जारी किया, वहां मुंबई कांग्रेस प्रमुख और लोकसभा सदस्य वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि इस महानगर में 'शासन से मित्रता रखने वालों को ' जमीन मुफ्त दी जा रही है एवं उद्योग -धंधे राज्य से जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हम यह आरोपपत्र जनता की अदालत में पेश कर रहे हैं। राज्य सरकार ने न केवल मुंबई के साथ अन्याय किया है, बल्कि आत्मसम्मान, पहचान और सद्भावना को भी चोट पहुंचाया है। महायुति सरकार की सत्ता में आने के बाद 'लड़का मित्र' योजना शुरू की गई, धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत दोस्तों के फायदे के लिए सभी नियमों में ढील दी गई।

अजित पवार आए और शरद पवार

चुनाव आयोग ने अजितदादा गुट को पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न दे दिया है. इसके बाद किसी भी तरह से चाचा शरद पवार की बारामती पर कब्जा करने के लिए एनसीपी नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सांसद के तौर पर सुप्रिया सुले के सामने मैदान में उतारा गया. इसके बाद शरद पवार ने लोकसभा सीट जीत ली. अब विधानसभा चुनाव से ढाई महीने पहले भतीजे अजित पवार और चाचा शरद पवार पुणे में जिला योजना की बैठक के मौके पर एक साथ आए हैं. डीपीडीसी की बैठक (DPDC meeting) पुणे में शुरू हो रही है और संभावना है कि इस बैठक में फंडिंग को लेकर घमासान मच सकता है. क्योंकि विपक्षी दल का कहना है कि विकास कार्यों के लिए फंड देने में हमारे जन प्रतिनिधियों को रोका जा रहा है, आज पुणे में डीपीडीसी की बैठक शुरू हुई है. इस बैठक की अध्यक्षता डीपीडीटी के अध्यक्ष के तौर पर अजित पवार कर रहे हैं. शरद पवार ने इस बैठक में शामिल होने का फैसला किया है और शरद पवार शिरूर के सांसद डॉ. अमोल कोल्हे की कार में इस बैठक में शामिल हुए हैं. इस बैठक में दत्ता भन्ने भी मौजूद हैं. इस बैठक में सभी का ध्यान इस ओर गया है कि पुणे के दोनों नगर निगमों के सभी नेता, डिविजनल कमिश्नर मौजूद हैं. इस बैठक में बड़ा विवाद होने की आशंका है.शरद पवार खड़े रहे... पिछली बार जब शरद पवार डीपीडीसी की बैठक में शामिल हुए थे. उस वक्त शरद पवार ने पूरी बैठक में शांत रहने का रुख अपनाया था. उन्होंने शांति से सबकी बात सुनी. उन्होंने किसी भी मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया. लेकिन इस बार बैठक में अजितदादा जब शरद पवार के सामने आये. उस वक्त शरद पवार खड़े थे. इसके बाद बैठक शुरू हो गई है. जन प्रतिनिधित्व में सत्ताधारी विधायकों को कितना फंड मिलेगा? संभावना है कि बैठक में विपक्षी दलों के विधायक इस बात पर बहस करेंगे कि उन्हें फंड मिलेगा या नहीं.

कांग्रेस पार्टी ने खोली महायुति सरकार के राज मे जारी

भ्रस्टाचार,महंगाई ,कमीशन खोरी की गठरी

मुंबई (सिटिन्यूज मुंबई यशपाल शर्मा) लोकसभा चुनावों मे महाराष्ट्र राज्य भर मे नंबर 1 पार्टी बनकर उभरी कांग्रेस पार्टी! वहीं आज प्रदेश कांग्रेस अधक्ष नाना पटोले, बालासाहेब थोरात जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओ सहित मुंबई कांग्रेस अधक्ष व दक्षिण मध्य मुंबई की नवनिर्वाचित सांसद वर्षा गायकवाड के नेतृत् मे कुशल रणनीति के चलते राज्य की महायुति एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फड़नाविस सरकार पर हमलावर हो रही है! आये दिन महायुति सरकार मे किये गये भ्रस्टाचार को मुंबई करी जनता के समक्ष उजागर करने का मौका नहीं छोड़ रही है! अभी हाल ही मे प्रशासनिक स्थर पर प्रशासक बनी बीएमसी की राज मे शिक्षण विभाग मे हुए बीएमसी स्कूलों के विधार्थियो के बीच वितरित की जाने वाली 27 वस्तुओ का वितरण की मुंबई के विभिन्न बीएमसी स्कूलों मे पढ़ने वाले चार लाख बच्चो मे अधिकांश तौर पर स्कूलों के एक महीने चालू होने के बाद भी नहीं वितरित हो पाई! ऐसा ही मामला महायुति सरकार के कार्यकाल मे शुरू भ्रस्टाचार का खुलासा मुंबई कांग्रेस ने महायुति पाप पत्र के माध्यम से करने ka

प्रयास किया है! मंत्रालय बना भ्रस्टाचारअल्या आम मुंबई करो का दो लाख करोड़ रुपए चोरी करने का आरोप मुंबई कांग्रेस पार्टी ने आज मुंबई कांग्रेस कार्यालय मे आयोजित प्रेस कांफ्रेंस मे लगाया है! खोके सरकार ने भ्रस्टाचार करने की नीयत से पिछले दो वर्षो से बीएमसी चुनावों नहीं करवाया है! जिसके कारण मुंबई करो को दूषित प्रदुषण सड़को मे गायब हुई मुंबई की जानलेवा कातिल सड़के और जर्जर टूटे पुलों की संख्या बढ़ चुकी है ! दिल्ली दरबार पर आरोप लगाया जा रहा है की मराठी भूमिपुत्रो की अस्मिता को ठेस पहुंचाकर सभी उद्योग, कारोबार निवेश, हीरा बाजार जैसे अवधोगिक संस्थानों को गुजरात भेजने का कार्य किया है ! भ्रस्ट युति सरकार ने धारावी, आरे कॉलोनी के शेष पृष्ठ 7 पर

चेंबूर मे वारकरीयो के बीच बीजेपी नेता आशीष गडकरी विट्टल के दर्शन करने पहुंचे

मुंबई (सिटिन्यूज मुंबई यशपाल शर्मा) मुंबई बीजेपी के वरिष्ठ नेताओ मे शुमार आशीष गडकरी ने भी माऊली विट्टल रुखमाइ के दर्शन करने पहुंचे! गौरतलब हो की बड़ी संख्या मे वारकरी श्रद्धालुओ का जमावड़ा देखने को मिला! मीडिया आ बात करते हुए आशीष गडकरी ने कहा की यह महायुति की सरकार मे सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमो को दिया गया प्रोत्साहन के कारण आज मुंबईकर अपने त्यवाहर मानने मे लगे है!

राज्य के उद्योगमंत्री उदय सावंत के हाथों हुआ तिलकनगर समाज सभागृह का उदाघाटन संपन्न

मुंबई (सिटीन्यूज़ मुंबई यशपाल शर्मा) मुंबई मे सर्वाधिक विकास अगर किसी निर्वाचन क्षेत्र मे खर्ध हुई है तो वो है कुर्ला पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जहाँ बड़े पैमाने पर नागरिक समस्याओं को विकास कार्यो मे नागरिक सुविधाओ मे तब्दिल करने का श्रेय स्थानीय शिवसेना विधायक मंगेश कुंडलकर को जाता है! जिनके कार्यकाल निर्वाचन क्षेत्र की बड़ी बड़ी समस्याओं को हल कर कुर्ला मतदार संघ को नया रंग रूप देने का कार्य किया है! ऐसा ही कुर्ला

पूर्व विधानसभा क्षेत्र मे आने वाले तिलक नगर ग्राउंड जहाँ हर वर्ष सह्यद्रि क्रीड़ा मंडल गणेश चतुर्थिती मे गणेश जी आगमन होता है! वाह का सभा गृह काफी छोटा हुआ करता था! जिससे महाड़ा के सहयोग से नया रंग रूप देकर भव्य पैमाने पर मंगेश कुंडलकर ने आज से 6 वर्ष पूर्व जब उदय समांत महाड़ा के अधक्ष्य हुआ करते थे ! तब जाकर इसके नुतीनिकरन का काम का प्रस्ताव रखा था! जिसे पहली ही बैठक मे उदय सामंत ने पारित कर दिया ! गौरतलब हो की आज उसी तिलक नगर क्रिकेट ग्राउंड का विधायक मंगेश कुंडलकर के निमंत्रण पर उदाघाटन करने के लिए पहुंचे राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत के हाथो से फीता काटकर किया गया! उपरोक्त अवसर पर राज्य के उद्योग मंत्री उदय सावंत ने कहा की आप के लिए रात दिन जनहित के कार्य करने वाले विधायक को आप आगामी विधानसभा चुनावों मे भारी बहुमत से जिताकर विधानसभा मे भेजने का कार्य करे!

राजा भाऊ गुर्गे ने किया सायन पनवेल हाई-वे नये बने ब्रिज के पास पड़े गड्ढो मे बैठकर आंदोलन

मुंबई (सिटिन्यूज मुंबई यशपाल शर्मा) एमपुर्व विभाग बीएमसी बारिश के चलते मुंबई के सड़को पर पड़े बड़े-बड़े गड्ढो के कारण चर्चा बटोर रही है ! परिणाम स्वरूप राहगीर और वाहन चलको द्वारा दुर्घटना का शिकार हो कर घायल होकर अस्पताल पहुँच गये !वर्षा पूर्व सड़को के गड्ढो को भरने का आने वाला टेंडर भ्रस्ट मनपा अधिकारियों के भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ता जा रहा है ! जिसका सबूत आज मुंबई के विभिन्न रहीवासियों इलाको मे बढ़ते जानलेवा गड्ढो की संख्या जिम्मेदार है ! जिनका हर वर्ष गड्ढो को भरने का फंड जारी होता आया है ! जिसको भ्रस्ट मनपा अधिकारियों द्वारा ठेकेदारो के साथ मिलकर मलाई खाते चले आ रहे है ! वहीं मुंबई करी जनता इन्हीं जानलेवा गड्ढो की भेंट चढ़कर परलोक सिधार रहे है! गौरतलब हो की मानखुर्द

पीएमजीपी इलाके के बहुचर्चित सामझसेवक राजा भाऊ गुर्गे को स्थानीय रहीवासियों की सड़क पर बढ़ते गड्ढो मे दुर्घटनाओ की लगातार बढ़ती शिकायतों को लेकर पत्र प्राप्त हो रहा था! जिसको संज्ञान मे लेकर राजा भाऊ गुर्गे ने सायन पनवेल हाई-वे नवनिर्मित ब्रिज से लगी सड़क पर पड़े गड्ढो मे बैठकर आंदोलन कर प्रशासनिक विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करवाने की कोशिश किया है! जिसको लेकर बड़ी संख्या मे अपनी सामाजिक संस्था के कार्यकर्ताओ का बड़े पैमाने पर सहयोग प्राप्त हुआ है! वहीं उल्लेखनीय तौर पर पूर्व मे भी प्रभाग क्रमांक.135 ,141-142 प्रभाग के क्षेत्रों की नाला साफाइ के मुद्दे पर मुखर होकर नागरिको की शिकायतों को एम पूर्व मनपा सहायक आयुक्त अलका ससाने सहित शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486